76वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का संदेश

26 जनवरी 2025

5 DECADES OF UNEARTHING ENERGY

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

सांकतोड़िया, पो०– डिसरगढ़, जिला : पश्चिम बर्द्धमान

प्रिय साथियों,

गणतंत्र दिवस के 76वें महापर्व के अवसर पर, मैं ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) परिवार और हमारे सभी प्रिय हितधारकों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। इस अवसर पर हम अपने देश की प्रगति और समृद्धि के लिए एक समर्पित और स्वस्थ राष्ट्र की कामना करते हैं।

मित्रों, ऊर्जा के क्षेत्र में मानवीय विकास की महत्ता सभी के लिए स्पष्ट है, और आत्मनिर्भरता किसी भी राष्ट्र की प्रगति की कुंजी है। कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया और ईसीएल का परिवार मिलकर, राष्ट्रीय उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत है। हमारा योगदान इस दिशा में महत्वपूर्ण है और हम इसे पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हम सभी श्रमिक बंधुओं को, राष्ट्र की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में ऊर्जा के सबसे महत्वपूर्ण स्रोत, कोयले के उत्पादन में वृद्धि करने का संकल्प लेना है। इसी कड़ी में, वित्तीय वर्ष 2024–25 में ईसीएल ने 04 एमडीओ राजस्व साझाकरण अनुबंध किए हैं, जिससे अतिरिक्त 7.25 मि. टन प्रति वर्ष (MTY) कोयला उत्पादन क्षमता प्राप्त हुई है। 01.04.2024 से 14.01.2025 तक कुल 77,752.02 करोड़ रुपये की खनन सेवा निविदाएँ प्रदान की हैं। कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों के भीतर, आंशिक रूप से खोजे गए कोयला ब्लॉक की पहली निविदा ईसीएल द्वारा (वित्तीय वर्ष 2024–25 के अंत तक) (अमरकोंडा मुर्गादंगल कोल ब्लॉक, दुमका में भूवैज्ञानिक रिजर्व– 411.21 मिलियन टन प्रतिवर्ष और खनन योग्य रिजर्व–94 मिलियन टन प्रतिवर्ष) 28 वर्ष की अवधि के लिए प्रदान की जाएगी। वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान सीएमसी विभाग की सभी निविदाएं गवर्नमेंट–ई–मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल पर जारी की गई हैं, जिससे जीईएम पोर्टल से 100% खरीद हासिल हुई है।

हमारे सभी प्रयास, ईसीएल के कार्यस्थल को सुरक्षित और आदर्श बनाने के लिए हैं। वर्ष 2024 में, घातक दुर्घटनाओं में 25% की कमी आई और गंभीर चोटों में 50% की प्रभावशाली कमी देखने को मिली। हमारी 80.52% खदानें दुर्घटना–मुक्त रहीं। हम सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियों को लगातार सुधारते हुए सभी कर्मचारियों और श्रमिकों को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उल्लेखनीय रूप से, पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में बजट आवंटन में 24.61% की वृद्धि और व्यय में 38.54% की वृद्धि हुई है, जो सुरक्षा निवेश और पहलों पर हमारे अटूट ध्यान को रेखांकित करता है। उन्नत सुरक्षा उपकरणों और प्रणालियों जैसे कि पर्यावरण टेली–मॉनीटरिंग सिस्टम (ETMS), पर्सनल डस्ट सैंपलर, मल्टी–गैस डिटेक्टर, नॉइज डोसीमीटर, लक्समीटर, वाइब्रोमीटर, सेल्फ–कंटेन्ड ब्रीदिंग अपरेटस

(SCBA) आदि के माध्यम से परिचालन सुरक्षा को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निवेश किए गए हैं। उक्त एवं अन्य प्रगतिशील सुरक्षा प्रबंधन पहल हमारे परिचालन उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अटूट समर्पण को दर्शाती हैं। कंपनी ने हेवी अर्थ मूविंग मशीनरी (HEMM) ऑपरेटरों को प्रशिक्षित करने के लिए एक अत्याधुनिक सिम्युलेटर खरीदा है, जो परिचालन कौशल को बढ़ाने और एक मजबूत सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, सभी व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों को स्मार्ट बोर्ड, ऑडियो–विजुअल प्रशिक्षण प्रणाली और स्मार्ट प्रशिक्षण दीर्घाओं से सुसज्जित आधुनिक कक्षाओं के साथ अपग्रेड किया जा रहा है।

कंपनी अपने श्रमिकों के अधिक कर्मशीलता के बल पर सदृढ़ता के साथ वर्तमान वित्तीय वर्ष के अपने लक्ष्य की प्राप्ति में तेजी से अग्रसर है। गत वित्तीय वर्ष की तुलना में तृतीय तिमाही तक ईसीएल ने कोयला उत्पादन में 12.68%, ओबीआर में 13.90% एवं कोयला प्रेषण में 20.37% की वृद्धि दर्ज की है। ईसीएल का उद्देश्य न केवल कोयला उत्पादन में वृद्धि करना है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और समावेशी विकास को भी सुनिश्चित करना है। हम प्रदूषण शमन गतिविधियों के लिए कई पहलों पर काम कर रहे हैं, जैसे कि खनन किए गए क्षेत्रों और ओबी डंपों का पुनर्ग्रहण, वृक्षारोपण, जल संरक्षण और जलवायु परिवर्तन को संबोधित करना। पिछले 5 वर्षों में, हमने 672 हेक्टेयर भूमि पर वृक्षारोपण किया और आने वाले वर्षों में इसे बढ़ाकर 945 हेक्टेयर करने का लक्ष्य है।

इसके अतिरिक्त, ईसीएल ने आसपास के समुदायों के लिए जल आपूर्ति और सिंचाई में भी योगदान किया है। 157 गांवों की लगभग 2,06,000 आबादी को घरेलू जल आपूर्ति मिल रही है और 86 गांवों में 1432 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई की जा रही है। इसके साथ ही हम अपने खनन क्षेत्रों में पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए विभिन्न प्रणालियाँ और उपकरण स्थापित कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल पीएचईडी के सहयोग से ईसीएल के कमान क्षेत्र के आसपास के गांवों में पीने और घरेलू उपयोग के पानी के लिए उपचार संयंत्र स्थापित किए गए हैं। दो जल आपूर्ति योजनाओं को सफलतापूर्वक चालू किया है जिसमें 557 केएलडी की क्षमता वाली "पश्चिम बंगाल सरकार पीएचईडी की धंधडीही जलापूर्ति योजना" के तहत 4000 की आबादी को सेवा प्रदान की जा रही। इसी प्रकार 695 KLD की क्षमता वाली "पश्चिम बंगाल सरकार पीएचईडी की डालमिया ओसीपी जलापूर्ति योजना" के तहत 5000 की आबादी को सेवा प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, ईसीएल ने लगभग 12.5 करोड़ रुपये की लागत से 1,57,000 लीटर प्रति घंटे की क्षमता वाले 32 आरओ फिल्टर प्लांट चालू किए हैं जिससे आसपास की कॉलोनियों और गांवों को शुद्ध पानी की आपूर्ति की जा सके।

राजमहल ओसीपी में संचालित कोयला हैंडलिंग संयंत्रों में सेंसर आधारित मिस्ट टाइप डस्ट सप्रेशन सिस्टम और मिस्ट गन प्रभावी धूल दमन में योगदान दे रहे हैं। ईसीएल ने सोनपुर बाजारी ओसीपी में रेलवे साइडिंग के साथ एक विंड बैरियर सिस्टम भी स्थापित किया है जो कोयले की धूल के फैलाव को काफी हद तक कम करता है, पर्यावरण प्रदूषण को कम करता है और स्वच्छ कार्य स्थितियाँ प्रदान करता है। ईसीएल ने जामबाद ओसीपी, काजोड़ा क्षेत्र में 3.0 लाख क्यूबिक मीटर की क्षमता वाला एक प्रोसेस्ड ओबी (पीओबी) प्लांट चालू किया है। ईसीएल 63.44 करोड़ रुपये की लागत से आस–पास की यूजी खदानों में रेत भराव के लिए ऐसे पीओबी प्लांट लगाएगा। उत्पन्न ओबी का उपयोग यूजी खदानों में रेत भराव के लिए किया जा रहा है। इस प्लांट के चालू होने से नदी के पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार होगा, प्रवाह में सुधार होगा, भूजल पुनर्भरण क्षमता में तेजी आएगी और उनके मार्गों में बहने वाले पानी की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। ओबी प्रोसेसिंग प्लांट नदी के मार्गों में खनन/ड्रेजिंग को रोकने में एक लंबा रास्ता तय करेगा जो ईसीएल का प्रकृति के प्रति योगदान होगा। ईसीएल की सभी पहलें, सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और समाज की भलाई के लिए निरंतर प्रगति की दिशा में हैं। हम हर कदम पर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे कार्यस्थल और कार्यप्रणाली में उत्कृष्टता हो और हम राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका को और भी मजबूत बनाए रखें।

आज, गणतंत्र दिवस के इस अवसर पर, मैं कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया लिमिटेड, पश्चिम बंगाल राज्य सरकार तथा झारखंड राज्य सरकार एवं उनके प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस प्रशासन, सीआईएसएफ, श्रमिक संघों और सभी हितधारकों का आभार व्यक्त करते हुए ईसीएल के सभी कर्मचारियों, श्रमिकों और अधिकारियों को उनके प्रयासों और समर्पण के लिए धन्यवाद देता हूँ। हम सभी मिलकर इस स्वर्णिम राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाते रहें और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

आपकी सेवा, समर्पण और संकल्प के अमृत से आत्मनिर्भर होगा भारत। और सार्थक होगी ईसीएल और परियोजना प्रभावित जनों की मेहनत।।

जय हिंद।

सत्यनिष्ठ,

26.01.2025

(सतीश झा)
अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित

৭৬তম প্রজাতন্ত্র দিবস উপলক্ষ্যে

অধ্যক্ষ তথা পরিচালন অধিকর্তার বার্তা

২৬ জানুয়ারী, ২০২৫

5 DECADES OF UNEARTHING ENERGY

ECL

ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেড

সাঁকতোড়িয়া, পোষ্ট ঃ ডিসেরগড়, জেলা ঃ পশ্চিম বর্ধমান

প্রিয় সহকর্মীবৃন্দ,

৭৬তম প্রজাতন্ত্র দিবস উপলক্ষে ইস্টার্ন কোলফিল্ডস লিমিটেড (ইসিএল) পরিবার এবং আমাদের সমস্ত প্রিয় স্টেকহোল্ডারদের আমার আন্তরিক অভিনন্দন জানাই। এই উপলক্ষে, আমরা আমাদের দেশের অগ্রগতি ও সমৃদ্ধির জন্য একটি নিবেদিত এবং সুস্থ রাষ্ট্রের কামনা করি।

জ্বালানি খাতে মানব উন্নয়নের গুরুত্ব সবার কাছে স্পষ্ট এবং আত্মনির্ভরশীলতা যে কোনো রাষ্ট্রের অগ্রগতির চাবিকাঠি। কয়লা মন্ত্রক, কোল ইন্ডিয়া এবং ইসিএল পরিবার একসাথে রাষ্ট্রের লক্ষ্য অর্জনের চেষ্টা করে। এই লক্ষ্যে আমাদের অবদান গুরুত্বপূর্ণ এবং আমরা এটি পূরণে প্রতিশ্রুতিবদ্ধ।

আমরা যারা শ্রমিক ভাই তাদের শপথ নিতে হবে দেশের শক্তির চাহিদা পূরণে শক্তির সবথেকে গুরুত্বপূর্ণ উৎস কয়লার উৎপাদন বৃদ্ধি করব। ২০২৪-২৫ অর্থবছরে, ইসিএল ০৪টি এমডিও রাজস্ব ভাগাভাগি চুক্তি স্বাক্ষর করেছে, যার ফলে অতিরিক্ত ৭.২৫ মিলিয়ন টন (এমটিওয়াই) কয়লা উৎপাদন ক্ষমতা রয়েছে। ০১/০৪/২০২৪ থেকে ১৪/০১/২০২৫ পর্যন্ত মোট ৭৭,৭৫২.০২ কোটি টাকা খনি পরিষেবা দরপত্র প্রদান করা হয়েছে। সিআইএল এবং তার সহায়ক সংস্থাগুলির মধ্যে, আংশিক খুঁজে বের করা কয়লা ব্লকের জন্য প্রথম টেন্ডার ইসিএল-এ (২০২৪-২৫ অর্থবর্ষের শেষে) (অমরকোন্ডা মুরগাদঙ্গল কোল ব্লক, দুমকায় ভূতাত্ত্বিক সংরক্ষণাগার- বার্ষিক ৪১১.২১ মিলিয়ন টন এবং খনিযোগ্য রিজার্ভ-বার্ষিক ৯৪ মিলিয়ন টন) ২৮ বছরের জন্য প্রদান করা হবে। ২০২৪-২৫ আর্থিক বছরে, সিএমসি বিভাগের সমস্ত দরপত্র সরকার-ই-মার্কেটপ্লেস (জিইএম) পোর্টালে জারি করা হয়েছে, যার ফলে জিইএম পোর্টাল থেকে ১০০% ক্রয় অর্জন করা হয়েছে।

আমাদের সমস্ত প্রচেষ্টা ইসিএলের কর্মক্ষেত্রকে নিরাপদ এবং আদর্শ করার জন্য। ২০২৪ সালে, মারাত্মক দুর্ঘটনা ২৫% হ্রাস পেয়েছে এবং গুরুতর আঘাতগুলি ৫০% এর চিত্তাকর্ষক হ্রাস পেয়েছে। আমাদের ৮০.৫২% খনি দুর্ঘটনামুক্ত। আমরা ক্রমাগত নিরাপত্তা ব্যবস্থাপনা সিস্টেম উন্নত করে সব কর্মচারী ও কর্মীদের জন্য একটি নিরাপদ ও স্বাস্থ্যকর পরিবেশ প্রদান করতে প্রতিশ্রুতিবদ্ধ। গত অর্থবছরের তুলনায় বাজেট বরাদ্দে ২৪.৬১ বৃদ্ধি এবং ব্যয় ৩৮.৫৪% বৃদ্ধি পেয়েছে, যা সুরক্ষা বিনিয়োগ এবং উদ্যোগের উপর আমাদের অবিচল মনোনিবেশের উপর জোর দেয়। এনভায়রনমেন্টাল টেলি-মনিটরিং সিস্টেম (ইটিএমএস), ব্যক্তিগত ডাস্ট স্যাম্পলার, মাল্টি-গ্যাস ডিটেক্টর, নয়েজ ডোসিমিটার, লাক্সোমিটার, ভাইব্রোমিটার, স্বয়ংসম্পূর্ণ শ্বাস-প্রশ্বাসের যন্ত্রপাতি

(এসসিবিএ) ইত্যাদির মতো উন্নত সুরক্ষা ডিভাইস এবং সিস্টেমের মাধ্যমে অপারেশনাল সুরক্ষা বাড়ানোর জন্য উল্লেখযোগ্য বিনিয়োগ করা হয়েছে। এগুলি এবং অন্যান্য প্রগতিশীল সুরক্ষা পরিচালনার উদ্যোগগুলি অপারেশনাল শ্রেষ্ঠত্বের সংস্কৃতি গড়ে তুলার জন্য আমাদের অবিচল উৎসর্গকে প্রতিফলিত করে। কোম্পানি হেভি আর্থ মুভিং মেশিনারি (এইচইএমএম) অপারেটরদের প্রশিক্ষণের জন্য একটি অত্যাধুনিক সিমুলেটর কিনেছে, যেটা অপারেশনাল দক্ষতা বাড়াতে এবং একটি শক্তিশালী সুরক্ষা সংস্কৃতি গড়ে তুলতে হাতে-কলমে অভিজ্ঞতা সরবরাহ করে। এছাড়া সকল বৃত্তিমূলক প্রশিক্ষণ কেন্দ্রে স্মার্ট বোর্ড, অডিও-ভিজ্যুয়াল প্রশিক্ষণ ব্যবস্থা ও স্মার্ট প্রশিক্ষণ গ্যালারী সম্বলিত আধুনিক শ্রেণিকক্ষ স্থাপন করা হচ্ছে।

কোম্পানী তার কর্মীদের অধিকতর দক্ষতার সাহায্যে বর্তমান আর্থিক বছরের লক্ষ্যমাত্রা অর্জনে দ্রুত এগিয়ে চলেছে। আগের আর্থিক বছরের তুলনায় তৃতীয় ত্রৈমাসিকে ইসিএল কয়লা উৎপাদনে ১২.৬৮ শতাংশ, ওবিআরে ১৩.৯০ শতাংশ এবং কয়লা প্রেরণে ২০.৩৭ শতাংশ বৃদ্ধি পেয়েছে। ইসিএলের উদ্দেশ্য কেবল কয়লা উৎপাদন বৃদ্ধি করা নয়, পরিবেশ সুরক্ষা এবং অন্তর্ভুক্তিমূলক বৃদ্ধি নিশ্চিত করা। আমরা পরিবেশগত প্রশমন কার্যক্রমের জন্য বেশ কয়েকটি উদ্যোগ নিয়ে কাজ করছি, যেমন খননকৃত অঞ্চল এবং ওবি ডাম্প পুনরুদ্ধার, বৃক্ষরোপণ, জল সংরক্ষণ এবং জলবায়ু পরিবর্তন মোকাবেলা। গত ৫ বছরে আমরা ৬৭২ হেক্টর জমিতে বৃক্ষরোপণ করেছি এবং আগামী বছরগুলিতে এটি ৯৪৫ হেক্টরে উন্নীত করার লক্ষ্য রয়েছে।

অতিরিক্তভাবে, ইসিএল আশেপাশের সম্প্রদায়ের জন্য জল সরবরাহ এবং সেচের ক্ষেত্রেও অবদান রেখেছে। ১৫৭টি গ্রামের প্রায় ২ লাখ ৬ হাজার মানুষ গার্হস্থ্য জল সরবরাহ পাচ্ছে এবং ৮৬টি গ্রামে ১৪৩২ হেক্টর জমিতে সেচ দেওয়া হচ্ছে। একই সাথে, আমরা আমাদের খনি এলাকায় পরিবেশ দূষণ কমাতে বিভিন্ন সিস্টেম এবং সরঞ্জাম ইনস্টল করছি। পশ্চিমবঙ্গ পিএইচইডির সহযোগিতায় ইসিএলের কমান্ড এলাকার আশেপাশের গ্রামগুলিতে পানীয় ও গার্হস্থ্য ব্যবহারের জলের জন্য ট্রিটমেন্ট প্ল্যান্ট স্থাপন করা হয়েছে। দুটি জল সরবরাহ প্রকল্প সফলভাবে চালু করা হয়েছে যা ৫৫৭ কেএলডি ক্ষমতা সম্পন্ন 'পশ্চিমবঙ্গ সরকারের পিএইচইডির ধাণ্ডাডিহি জল সরবরাহ প্রকল্প' এর অধীনে ৪০০০ জনসংখ্যাকে সরবরাহ করছে। একইভাবে, 'ডালমিয়া ওসিপি ওয়াটার সাপ্লাই স্কিম অফ ওয়েস্ট বেঙ্গল পিএইচইডি' এর অধীনে ৬৯৫ কেএলডি ক্ষমতা সহ, ৫০০০ জনসংখ্যার সেবা দেওয়া হচ্ছে। এছাড়াও, ইসিএল নিকটবর্তী কলোনি এবং গ্রামগুলিতে বিশুদ্ধ জল সরবরাহের জন্য প্রায় ১২.৫ কোটি টাকা ব্যয়ে প্রতি ঘন্টায় ১,৫৭,০০০ লিটার ক্ষমতাসম্পন্ন ৩২টি আর.ও. (R.O.) ফিল্টার প্ল্যান্ট চালু করেছে।

সেন্সর ভিত্তিক কুয়াশা টাইপ ধুলো দমন ব্যবস্থা এবং কুয়াশা বন্দুকগুলি রাজমহল ওসিপিতে পরিচালিত কয়লা হ্যান্ডলিং প্ল্যান্টগুলিতে কার্যকর ধূলিকণা দমনে অবদান রাখছে। ইসিএল সোনপুর বাজার ওসিপিতে রেলওয়ে সাইডিংয়ের সাথে একটি বায়ু বাধা ব্যবস্থা স্থাপন করেছে যা কয়লার ধুলোর বিস্তারকে অনেকাংশে হ্রাস করে, পরিবেশ দূষণ হ্রাস করে এবং স্বাস্থ্যকর কাজের পরিবেশ সরবরাহ করে। ইসিএল জামবাদ ওসিপি, কাজোড়া এলাকায় ৩.০ লক্ষ ঘনমিটার ক্ষমতাসম্পন্ন একটি প্রক্রিয়াজাত ওবি (পিওবি) প্ল্যান্ট চালু করেছে। ইসিএল ৬৩.৪৪ কোটি টাকা ব্যয়ে নিকটবর্তী ইউজি খনিগুলিতে বালি ভরাটের জন্য এই পিওবি প্ল্যান্ট স্থাপন করবে। উৎপন্ন ওবি ইউজি খনিগুলিতে বালি ভরাটের জন্য ব্যবহৃত হচ্ছে। এই প্ল্যান্টটি চালু হলে নদীর বাস্তুতন্ত্রের উন্নতি হবে, প্রবাহ উন্নত হবে, ভূগর্ভস্থ জলের রিচার্জ ক্ষমতা ত্বরান্বিত হবে এবং তাদের রুটগুলিতে প্রবাহিত জলের গুণমান উন্নত হবে। ওবি প্রসেসিং প্ল্যান্টটি নদীর গতিপথে খনন / ড্রেজিং রোধে দীর্ঘ পথ পাড়ি দেবে যা প্রকৃতির প্রতি ইসিএলের অবদান হবে। ইসিএলের সমস্ত উদ্যোগ সুরক্ষা, পরিবেশ সুরক্ষা এবং সমাজের উন্নতির দিকে ধারাবাহিক অগ্রগতির দিকে। আমরা প্রতিটি পদক্ষেপে নিশ্চিত করছি যে আমাদের কর্মক্ষেত্র এবং কার্যকারিতায় আমাদের শ্রেষ্ঠত্ব রয়েছে এবং আমরা রাষ্ট্র উন্নয়নে আমাদের ভূমিকা জোরদার করে চলেছি।

আজ সাধারণতন্ত্র দিবস উপলক্ষে আমি কয়লা মন্ত্রক, কোল ইন্ডিয়া লিমিটেড, পশ্চিমবঙ্গ রাজ্য সরকার এবং ঝাড়খণ্ড রাজ্য সরকার এবং তাদের প্রশাসনিক আধিকারিক, পুলিশ প্রশাসন, সিআইএসএফ, ট্রেড ইউনিয়ন এবং সমস্ত স্টেকহোল্ডারদের প্রতি কৃতজ্ঞতা জানাই এবং ইসিএলের সমস্ত কর্মচারী, কর্মী এবং আধিকারিকদের তাদের প্রচেষ্টা এবং উৎসর্গের জন্য ধন্যবাদ জানাই। এই সোনার রাষ্ট্র গঠনে আমাদের একসাথে ভূমিকা পালন করা উচিত এবং একটি আত্মনির্ভর ভারত গঠনে আমাদের অংশগ্রহণ নিশ্চিত করা উচিত।

আপনাদের সেবা, সমর্পণ ও সংকল্পের অমৃত নিয়ে ভারত আত্মনির্ভর হয়ে উঠবে।
আর ইসিএল ও প্রকল্পে ক্ষতিগ্রস্তদের পরিশ্রম সার্থক হবে।

জয় হিন্দ।

সত্যের প্রতি নিবেদিত

26.01.2025

(সতীশ ঝা)
অধ্যক্ষ-তথা- পরিচালক অধিকর্তা

ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেডের জনসংযোগ বিভাগ দ্বারা প্রকাশিত